

(b) if so, on what terms?

The Minister of Mines and Oil (Shri K. D. Malaviya): (a). No, Sir.

(b) Does not arise.

Russian Jet Aero-Engines

*206. **Shri P. C. Borooah:** Will the Minister of Defence be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 206 on the 23rd November, 1961 and state:

(a) whether the six Russian jet aero-engines recently purchased from Russia have been fitted to the HF-24 aircrafts;

(b) if so, whether they have been tried and found in perfect order;

(c) whether any more engines for HF-24 aircraft are proposed to be procured; and

(d) if so, from where?

The Minister of Defence (Shri Krishna Menon): (a) and (b). The engines are undergoing necessary trials appropriate to our requirements. These are not completed.

(c) and (d). HF-24 is now powered by Orpheus Siddeley engines of British design but being built in India.

British Credit for Coal Industry

*207. **Shri D. C. Sharma:** Will the Minister of Steel, Mines and Fuel be pleased to state:

(a) whether any British credit for coal industry has been received; and

(b) if so, the details thereof?

The Minister of Steel, Mines and Fuel (Sardar Swaran Singh): (a) and (b). There is no specific British credit for coal industry. There is, however, an allocation of Rs. 1.44 crores for Ropeways for Area 'D' of Jharia Coalfield and of Rs. 0.92 crores for Bhojudih Coal Washery from out of the U.K. credit of £30 million.

हिन्दू धार्मिक न्यास आयोग

*२०८. श्री भक्त दर्शन : क्या विधि मंत्री ८ दिसम्बर, १९६१ के अतारांकित प्रश्न सख्या १६२३ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिन्दू धार्मिक न्यासों के बारे में जांच करने वाले आयोग ने क्या इस बीच अपना कार्य समाप्त कर लिया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या उसकी रिपोर्ट की एक प्रतिलिपि सभा पटल पर रखी जाएगी; और

(ग) यदि अभी तक रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है तो देर से देर कब तक उसके मिल जाने की आशा की जाती है ?

*विधि उपमंत्री (श्री आर० एम० हजरतबीस) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

(ग) आयोग आशा करता है कि वह अपनी रिपोर्ट मई, १९६२ के अन्त तक सरकार को प्रस्तुत कर देगा ।

अंकलेडवर के झल की सफाई

*२०९. श्री विभूति मिश्र : क्या इस्पात, खान और ईंधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत सरकार ने बर्मा शैल और स्टानवाक कम्पनियों से अंकलेडवर से प्राप्त तेल की सफाई के सम्बन्ध में कोई समझौता किया है ;

(ख) यदि हां, तो समझौते की शर्तें क्या हैं ; और

(ग) प्रति टन सफाई का क्या व्यय पड़ेगा ?

खान और तेल मंत्री (श्री केशव देव मालवीय) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।